Sem-1 MJC / MIC / IDC

अर्थशास्त्र एक परिचय - भाग - 2

अर्थशास्त्र के संदर्भ में विभिन्न अर्थशास्त्रियों के विचार :-

अर्थशास्त्र को कई तरीकों से परिभाषित किया जाता है, जिसमें एडम-स्मिथ की धन-केंद्रित परिभाषा जो धन सृजन पर केंद्रित, अल्फ्रेड मार्शल की कल्याण-केंद्रित परिभाषा जो भौतिक कल्याण पर जोर देती है, लियोनेल रॉबिन्स की दुर्लभता-केंद्रित परिभाषा जो असीमित इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन आवंटन पर प्रकाश डालती है, और आधुनिक परिभाषाएँ जो आर्थिक विकास और स्थिरता को शामिल करती हैं। ये विभिन्न दृष्टिकोण एक विषय के रूप में अर्थशास्त्र की विकसित होती समझ और अनुप्रयोग को दर्शाते हैं।

↳ धन की परिभाषा (एडम स्मिथ)

अर्थशास्त्र का पिता एडम स्मिथ को कहा जाता है। आधुनिक अर्थशास्त्र के निर्माताओं में एडम स्मिथ का नाम सबसे पहले आता है उनकी पुस्तक 'राष्ट्रों की संपदा (The wealth of Nation) ने अठारहवीं शताब्दी के के इतिहासकारों एवं अर्थशास्त्रियों को बेहद प्रभावित किया है। एडम स्मिथ का सिद्धांत मुख्य रूप से मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत हित को बढ़ावा देने वाले "अदृश्य हाथ" (Invisible hand) के सिद्धांत पर आधारित है, जो दर्शाता है कि कैसे व्यक्तिगत स्वार्थ एक स्वस्थ समाज और राष्ट्र की समृद्धि की ओर ले जाता है। उन्होंने श्रम के विभाजन, पूँजी संचय और मुक्त बाजार के माध्यम से आर्थिक विकास का तर्क दिया, जहाँ सरकारी हस्तक्षेप न्यूनतम होता है।

* केन्द्र :- धन का विज्ञान, विशेष रूप से धन का उत्पादन, वितरण और उपभोग को माना जाता है।

* मुख्य विचार - इनकी पुस्तक राष्ट्रों की संपदा (The wealth of Nation) के अनुसार राष्ट्रों की संपदा और उसके निर्माण

में योगदान देने वाले कारकों से संबंधित है, तथा इसमें बाजार, स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया गया है।

↳ कल्याण की परिभाषा (अल्फ्रेड मार्शल)

अल्फ्रेड मार्शल के अनुसार "अर्थशास्त्र जीवन के सामान्य व्यवसाय में मानव जाति का अध्ययन है"। यह परिभाषा धन की बजाय मानव कल्याण पर अधिक जोर देती है, यह मानते हुए कि धन कल्याण पर अधिक जोर के आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन, जो मानव कल्याण से जुड़ी है।

* अल्फ्रेड मार्शल ने अपनी पुस्तक "प्रिंसिपलस ऑफ इकोनॉमिक्स" पुस्तक 1890 में प्रकाशित हुआ था।

मार्शल की परिभाषा की मुख्य बातें:

* मानव कल्याण पर जोर: मार्शल ने अर्थशास्त्र को धन केंद्रित होने से हटाकर मानवीय कल्याण पर केंद्रित किया।

* धन एक साधन है: उनके अनुसार, धन मनुष्य के लिए है, न कि मनुष्य धन के लिए। अर्थशास्त्र का उद्देश्य धन कमाना और खर्च करना नहीं, बल्कि धन के उचित प्रयोग से मानव कल्याण में वृद्धि करना है।

* सामान्य जीवन का अध्ययन: मार्शल अर्थशास्त्र को "जीवन के सामान्य व्यवसाय" से जोड़ते हैं, जिसका अर्थ है कि यह उन सभी आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन करता है जो लोग अपने सामान्य जीवन में करते हैं।

* भौतिक कल्याण: यह परिभाषा विशेष रूप से भौतिक कल्याण से संबंधित गतिविधियों का परीक्षण करती है, जैसे धन कमाना और खर्च करना।

इस परिभाषा की आलोचना :

इस परिभाषा की मुख्य आलोचना यह है कि यह भौतिक कल्याण पर केंद्रित है और कल्याण की अवधारणा को अत्यधिक मानती है, जिसे मापना मुश्किल है। इसके अतिरिक्त, रॉबिन्सन ने इसे नैतिक और मूल्य-आधारित होने के कारण गलत बताया क्योंकि अर्थशास्त्र को मूल्यों से तटस्थ रहना चाहिए।